कोविड पूर्व स्तर तक 2022 से पहले नहीं पहुंचेगा भारत

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि भारत सहित ज्यादातर अर्थव्यवस्थाएं 2022 से पहले कोविड पूर्व स्तर तक नहीं पहुंच सकेंगी। मूडीज ने बृहस्पतिवार को जारी वैश्विक रिपोर्ट में कहा कि कोविड-19 की वजह से कर्ज बांटने में गिरावट आई है, जो भले ही कम समय तक रहेगी लेकिन आर्थिक गतिविधियों की गति पर ब्रेक लगा देंगी। इससे ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं की गतिविधियां महामारी पूर्व तक 2022 से पहले नहीं पहुंच पाएंगी।

मूडीज के अनुसार, कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है और बॉन्ड डिफॉल्ट की घटनाओं में

मूडीज का अनुमान...वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी गति से सुधार

बढ़ोतरी हुई है। यह कर्ज बांटने की रफ्तार पर असर डालेगा और लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए क्षेत्रों पर आगे भी जोखिम बना रहेगा। इसके दबाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था में काफी उतार-चढ़ाव आ सकता है, जो पहले ही बेहद धीमी गति से सुधार की ओर बढ़ रही है। हालांकि, कोविड-19 की वैक्सीन आने से 2021 के अंत तक इस महामारी का असर बेहद कम हो जाएगा। जैसे-जैसे वैक्सीन का प्रसार होगा, अर्थव्यवस्थाओं में भी सुधार आता जाएगा। एजेंसी

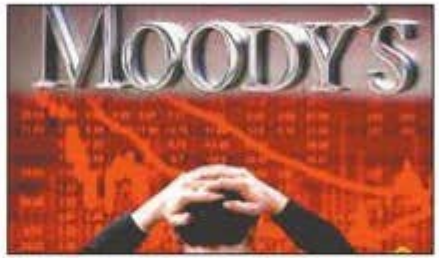

आर्थिक गतिविधियों को मिल सकेगी ज्यादा ढील : मूडीज ने कहा कि वायरस का प्रकोप कम होने से सरकारें आर्थिक गतिविधियों और लॉकडाउन में ज्यादा ढील दे सकेंगी, जिससे 2022 की शुरुआत से ही सुधार की गति बढ़ जाएगी। हालांकि, वायरस का नया रूप बड़ा खतरा बन सकता है, जिसकी वजह से कई देशों में स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाना पड़ेगा।

■ *2021 में सबसे तेज रह सकती है भारत की विकास दर*

भारत	12.6%
चीन	7.8%
अमेरिका	6.5%
तुर्की	5.9%
फ्रांस	5.9%
ब्रिटेन	5.1%
इंडोनेशिया	4.9%
कनाडा	4.7%
मैक्सिको	4.5%
ऑस्ट्रेलिया	4.5%
इटली	4.1%
ब्राजील	3.7%
जर्मनी	3.0
दक्षिण अफ्रीका	3.0%
रूस	2.7%
जापान	2.7%

(स्रोत : आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन)